श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ,पलवल

विश्वविद्यालय-कुलगीत

विकास हेतु कौशलम् !

उठा कदम बढ़ा कदम, सिर उठा ये खा कसम
कालजय का सिद्धहस्त, सारथि बनेंगे हम ।
कोटि कोटि मानुषों की उन्नति का गीत भी
आजीविका के सर्वश्रेष्ठ, कर्म का प्रतीक भी
कुशल युवा ही श्रेष्ठतम सुअवसरों का नीड़ श्रम
विकास पथ पर अग्रसर, **विकास हेतु कौशलम् !**

होंसलों की है शपथ, उन्नति का अग्रपथ
जूझता चुनौतियों से बढ रहा श्रमिक अथक
सशक्त सिद्धहस्त ही, सशक्त राज स्वप्न है
जय ध्वजा का स्वर्ण रथ, बढे चले प्रयत्न है
साधना का स्वेद-पथ, ध्येय का अडिग कदम
श्रम कलाका जयरथी,**विकास हेतु कौशलम् !**

तक्षशिला सा भव्यतम, किरीटनग नवीनतम
विश्व - जय को गढ़ रहा, विश्वकर्मा गुरुम्
दामिनी सा उद्यमी, यामिनी का धोये तम
श्रेष्ठता का श्रेष्ठतम, **विकास हेतु कौशलम् ।**

योगः कर्मसु कौशलम् !
योगः कर्मसु कौशलम् !

-डॉ राजेश कुमार मंगला "पार्थ"
मोती कॉलोनी, पलवल
8683997722